प्राचीन भारत

एक रूपरेखा

डी.एन. झा

मनोहर

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

प्रस्तावना १

अध्याय १ : हड़प्पा-सभ्यता ८

प्रागैतिहासिक वृत्तांत—उद्भव और विस्तार—
नगर योजना और भवन—आर्थिक आधार—
धर्म—पतन

अध्याय २ : वैदिक जीवन १७

आर्यों का आगमन—वेद—प्रारंभिक
वैदिक अर्थव्यवस्था और समाज—
स्थानबद्ध कृषि का श्रीगणेश—कला-कौशल—
वर्ण-व्यवस्था—जनपदीय शासन-तंत्र की कल्पना—
उत्तर वैदिक काल का धार्मिक जीवन—उपनिषदें

अध्याय ३ : जैन धर्म और बौद्ध धर्म ३५

भौतिक परिस्थिति—वर्धमान महावीर—
जैन धर्म—गौतम बुद्ध—बौद्ध धर्म—
नये धर्मों के सामाजिक आधार

अध्याय ४ : प्रथम जनपदीय राज्य ४८

महाजनपद—नंदवंश के शासन-काल
में मगध का उत्थान—सिकंदर का आक्रमण—
शासन के आधार और स्वरूप—
'भोंडी' गणतांत्रिक व्यवस्था

अध्याय ५ : मौर्य साम्राज्य ६२

मौर्य सम्राट—शासन-व्यवस्था—आर्थिक,
सामाजिक और धार्मिक जीवन—
अशोक का धम्म—साम्राज्य का पतन

Scanned by TapScanner

अध्याय ६ : विदेशी आक्रमण और व्यापार ८०
शुंग और कण्व—विदेशी आक्रमण—
भारतीय-यूनानी—कुषाण—कनिष्क—
सातवाहन—दक्षिण भारत के राज्य—
कृषि के क्षेत्र में परिवर्तन—भारत और रोम
के बीच व्यापार—कारीगरों के संघ
(गिल्ड)—सामाजिक बनावट—धार्मिक
जीवन—कला और वास्तुशिल्प—संस्कृत
का विकास

अध्याय ७ : स्वर्ण युग की कपोल-कल्पना १०४
गुप्तवंश के शासक—प्रशासन—सामंती
संबंधों का उदय—समाज और धर्म—
कला और वास्तुशिल्प—साहित्य, दर्शन
और विज्ञान—'स्वर्ण युग' कितना
'स्वर्णिम' था ?

ग्रन्थ-सूची १२५
अनुक्रमणिका १३५

Scanned by TapScanner